फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 234 प्रभात जयपुर, बुधवार 27 मार्च, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

**Modi Should Woo South For More Reasons Than One**

For the BJP, the south has become an outlier, causing considerable embarrassment to the party's traditional champions of the '*Hindi-Hindu-Hindusthan*' outlook

**Capturing Total Solar Eclipse**

**Where to See the Northern Lights**

# तो क्या यह सही है कि, पैसे लेकर टिकट बांटे हैं कांग्रेस ने?

## प्रदेश में कई ऐसे लोगों को टिकट मिला, जिनका कांग्रेस से कोई वास्ता नहीं रहा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। एक जाने - माने कांग्रेस निष्ठावान आलोक शर्मा, जो हर रोज और हर परिस्थिति में सभी टीवी चैनलों पर पार्टी को डिफैन्ड करते हैं, को भीलवाड़ा से टिकट नहीं दिया गया।

इनकी जगह कांग्रेस ने दामोदर गुर्जर को टिकट दिया है, जो एक रिटायर्ड सब इन्स्पैक्टर हैं और कांग्रेस पार्टी में भी नहीं हैं। दामोदर गुर्जर गंगापुर सिटी के हैं और जयपुर में रिअल एस्टेट का बिज़नैस चलाते थे। एक साल पहले वो पुलिस फोर्स से रिटायर हुए।

सूत्रों का कहना है कि, उनकी ख्याति कभी बहुत अच्छी नहीं रही है। कहा जा रहा है कि, उन्होंने कथित रुप से ढाई करोड़ रुपए में टिकट खरीदा है।

इस काम में कथित रुप से उनकी मदद की है, मल्लिकार्जुन खड़गे के पर्सनल सैक्रेटरी अरुण सिंह तथा गुरदीप सप्पल ने, जो ए.आई.सी.सी. के एक वरिष्ठ पदाधिकारी हैं तथा प्रशासन के इन्चार्ज हैं। पूर्व में वो कांग्रेस अध्यक्ष के ऑफिस में थे।

- भीलवाड़ा से कर्मठ कांग्रेसी और टी.वी. चैनल पर पार्टी का बचाव करते दिखने वाले आलोक शर्मा की बजाय दामोदर गुर्जर को टिकट दिया गया है।
- रिटायर्ड सब इंस्पैक्टर गुर्जर जयपुर में रियल एस्टेट का बिजनैस करते हैं, उनकी इमेज खास अच्छी नहीं है। समझा जाता है उन्होंने ढाई करोड़ रू. में टिकट खरीदा है, इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निजी सचिव अरूण सिंह व वरिष्ठ ए.आई.सी.सी. पदाधिकारी गुरदीप सप्पल की अहम् भूमिका बताई जा रही है।
- राजसमंद के कांग्रेस प्रत्याशी सुदर्शन रावत की कहानी भी अजीब है। बताया जाता है कि, जब टिकट घोषित हुआ, तब रावत विदेश में थे। असल में रावत चुनाव नहीं लड़ना चाहते, पर सी.पी. जोशी ने उन्हें जबर्दस्ती टिकट दिलवाया है।
- कहा जा रहा है कि, जोशी ने पायलट खेमे के व्यक्ति को टिकट मिलने से रोकने के लिए यह कदम उठाया।
- जयपुर शहर में भी बड़ा अजीब वाक्या हुआ। पहले तो सुनील शर्मा का टिकट घोषित किया गया, फिर उनकी जगह प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दे दिया गया।

माना जा रहा है कि, दामोदर गुर्जर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं, क्योंकि, अब वो भीलवाड़ा से कांग्रेस के अधिकारिक उम्मीदवार हैं।

कहा जा रहा है कि, आजकल राहुल

( शेष पृष्ठ 4 पर )

## कांग्रेस व सपा ने वरूण को टिकट की पेशकश की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। वरूण गांधी, जिन्हें भाजपा ने पीलीभीत सीट से पुनः टिकट देने से इंकार कर दिया है, को कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने उसी सीट से अपनी पार्टी का टिकट देने की पेशकश की है, परन्तु वे इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति में है कि उनकी मां मेनका गांधी (67) को भाजपा सुल्तानपुर से पार्टी चुनावी टिकट दे रही है, कहीं ऐसा नहीं हो कि किसी एक गलती से उनकी जीत की संभावनाओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े। ज्ञातव्य है कि पीलीभीत से वरूण गांधी वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव जीती थे।

- पर वरूण गांधी, जिन्हें भाजपा ने पीलीभीत से टिकट नहीं दिया है, कशमकश में हैं कि, अगर प्रस्ताव स्वीकार किया तो सुल्तानपुर से भाजपा की प्रत्याशी उनकी मां की संभावनाओं पर गलत असर पड़ सकता है।

कांग्रेस चुनाव समिति की अगली बैठक बुधवार को होने वाली है, यदि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला करते हैं तो समिति की बैठक

( शेष पृष्ठ 4 पर )

## 'मैं ना किसी दबाव में आता हूँ, ना ही मुझे भाजपा ने कोई ऑफर दिया है'

### पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भाजपा से ऑफर मिलने की बात पर यह टिप्पणी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा कि भाजपा के विपरीत कांग्रेस में आलोचना की अनुमति है, जबकि भाजपा आलोचना को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करती है और कांग्रेस में इसीलिए बहस और विचार-विमर्श होते हैं।

जब यह पूछा गया कि कांग्रेस के सीनियर नेता क्यों भाजपा में शामिल हुए तो सचिन ने कहा कि यह एक व्यक्ति विशेष का निर्णय है, जो प्रायः हर पार्टी में होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग कांग्रेस छोड़कर गए, वे पूर्व सांसद व विधायक थे, जबकि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए नेताओं में वर्तमान सांसद और विधायक हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थानों को हाल ही के समय में कमजोर करने का प्रयास किया गया है। संवैधानिक निकायों की स्वतंत्रता एवं विश्वसनीयता बनाए रखनी चाहिए। पायलट से जब यह पूछा गया कि क्या आपको भाजपा ने ऑफर दिया था तो उन्होंने कहा कि वह किसी तरह के दबाव में नहीं आते और भाजपा से उन्हें किसी तरह का कोई ऑफर नहीं मिला।

- कांग्रेस में असंतोष के बारे में उन्होंने कहा, हमारे यहां आलोचना करने की अनुमति है, बहस होती है, पर भाजपा में आलोचना बर्दाश्त नहीं की जाती।
- कांग्रेस नेताओं के भाजपा में जाने पर उन्होंने कहा, हर पार्टी में ऐसा होता है, कांग्रेस छोड़ने वाले पूर्व सांसद या विधायक हैं, पर भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आने वाले मौजूदा सांसद और विधायक हैं।

## पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। भारतीय जनता पार्टी 1 जून को होने वाले पंजाब लोकसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ेगी, क्योंकि पंजाब प्रदेश अध्यक्ष ने घोषणा की है कि अकाली दल के साथ सीटों को लेकर गठबंधन की वार्ता विफल हो गई है।

पंजाब में पिछले दो दशकों से भाजपा के साथ शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) का गठबंधन चल रहा था। हालांकि, यह गठबंधन वर्ष 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूट गया था।

जाखड़ ने अकेले चुनाव लड़ने की बात पर कहा कि अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय आम जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर लिया गया है। उन्होंने पंजाब की भलाई का कार्य करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की।

- अकाली दल के साथ चल रही गठबंधन वार्ता असफल हो गई है।

भाजपा के साथ शिरोमणि अकाली दल का गठबंधन होने की संभावित चर्चाएं चल रही थी। परन्तु किसान अपनी मांगों को लेकर अभी धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसके चलते खबर है कि शिरोमणि अकाली दल ने भाजपा के साथ लोकसभा चुनावों में समझौता नहीं करने का फैसला लिया है।

शिरोमणि अकाली दल की केन्द्रीय समिति की 22 मार्च को बैठक

( शेष पृष्ठ 4 पर )

# मुख्यमंत्री भजन लाल ने जनता के संग जमकर होली खेली

## आम जन ने कहा, मुख्यमंत्री हैं ''जन-जन के भजन''

जयपुर, 26 मार्च (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने होली के पर्व पर एक बार फिर खुद को आम जन का मुख्यमंत्री साबित करते हुए उनके साथ घंटों होली खेली और रंगों के इस त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाया। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को अपने आवास पर ''जनता के संग होली'' कार्यक्रम आयोजित किया और आमजन के साथ आत्मीयता से होली का त्यौहार मनाया मुख्यमंत्री ने आमजन से मिली उपमा '' जन-जन के

( शेष पृष्ठ 4 पर )

- मुख्यमंत्री आवास पर चार घंटे चले होली कार्यक्रम में आम लोगों ने शिरकत की, सभी ने एक सुर में कहा, प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ जब मुख्यमंत्री के आवास तक आम जन की पहुंच हुई है।
- भजन लाल बेहद आत्मीयता और सहजता से सभी लोगों के मिले। इस अवसर पर उनकी पत्नी गीता शर्मा भी मौजूद थीं।

*मु. मंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने मुख्यमंत्री आवास पर आम जन के साथ होली मनाने के लिए ''जनता संग होली'' कार्यक्रम रखा। इस मौके पर मु. मंत्री का जो अंदाज नज़र आया, उसके सभी लोग कायल हो गये। मु. मंत्री ने अपनी पत्नी के साथ नाचते-गाते हुये आम लोगों के साथ फूलों और गुलाल की होली खेली।*

## 'केजरीवाल को मु.मंत्री पद से हटाया जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पी.आई.एल.) अरविन्द केजरीवाल को मुख्यमंत्री के पद से हटाने के लिए दाखिल की गई है। दिल्ली शराब घोटाला कांड में उनकी भूमिका के आरोपों के चलते केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गत गुरुवार रात्रि को गिरफ्तार किया था उन पर आरोप है कि उन्होंने दक्षिण की शराब लॉबी के कुछ शराब निर्माताओं और वितरकों को लाभ पहुंचाया था।

- सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में एक याचिका दायर की गई है कि, शराब घोटाले में शामिल होने और ई.डी. द्वारा गिरफ्तार होने के कारण अरविन्द केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाया जाए।

शुक्रवार को पी.आई.एल. दाखिल करने वाले सुरजीत सिंह यादव नामक व्यक्ति का कहना है कि उनको गिरफ्तार किए जाने के बावजूद, केजरीवाल ने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने से मना कर दिया है अतः हाईकोर्ट को मामले में हस्तक्षेप कर उनसे पूछना चाहिए कि वे किस प्राधिकार के तहत वे अब भी अपने मुख्यमंत्री के पद पर बने हुए हैं।

याचिकाकर्ता ने उस बयान पर

( शेष पृष्ठ 4 पर )

# हमें उम्मीद है केजरीवाल के मामले में निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रिया का पालन होगा'

## अमेरिका ने यह भी कहा कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी से संबंधित हर खबर पर उनकी गहरी नज़र है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। मोदी सरकार द्वारा की गई दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी पर विदेशी सरकारों की आलोचनात्मक टिप्पणियों ने कूटनीतिक समुदाय में सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने न्यूज़ एजेंसी रॉयटर्स को इस सप्ताह बताया कि अमेरिकी सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की खबरों पर गौर कर रही है तथा उसने भारतीय सरकार से कहा है कि वह विपक्ष के इस नेता के लिए एक ''एक निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया'' सुनिश्चित करे।''

- केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में पूरे विश्व की रूचि बढ़ती जा रही है। जर्मनी के बाद अमेरिका ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी पर चिंता जताई है।
- जर्मनी की आपत्ति पर तो मोदी सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, पर अमेरिका की टिप्पणी पर मोदी सरकार मौन है।

हालांकि, अमेरिका की प्रतिक्रिया के विदेश विभाग के दफ्तर की प्रतिक्रिया के कुछ दिन बाद सामने आई है। जर्मनी की प्रतिक्रिया में इस बात पर जोर दिया गया था कि आरोपों का सामाना कर रहे किसी भी अन्य भारतीय की भांति आम आदमी पार्टी के नेता भी एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष सुनवायी किए जाने के अधिकारी हैं, लेकिन केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सामने आए अमेरिका के बयान पर मोदी सरकार की प्रतिक्रिया भिन्न है, जो साउथ ब्लॉक के दोहरे मापदण्ड को उजागर करती है।

जर्मन सरकार के एक प्रवक्ता ने पिछले हफ्ते शुक्रवार को कहा था, ''हम उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों

( शेष पृष्ठ 4 पर )